

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



प्रसारण

EXTRAORDINARY

भाग II—लंड 3—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मा० 274] नई विलासी, शनिवार, अगस्त 9, 1969/अथवा 18, 1891

No. 274] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 9, 1969/SRAVANA 18, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रत्या संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND
COMPANY AFFAIRS

(Department of Internal Trade)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August 1969

S.O. 3211.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Vanaspati Manufacturers' Association of India, Bombay, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 10th August, 1969 upto the 9th August, 1970, both days inclusive, in respect of forward contracts in groundnut oil.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(8)-I.T./69.]

G. P. PANDEY, Jt. Secy.

श्रीकांगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय कार्य मंत्रालय

(आन्तरिक व्यापार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त 1969

का० श्रा० 3212.-—केन्द्रीय सरकार, भारत के बनस्तति विनियम संगम मुम्बई द्वारा मान्यता के पुनर्विकरण के लिए अधिम संविधा (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन दिए गए आवंटन पर, वायदा बाजार आयोग में परामर्श कर के, विचार कर लेने पर, और अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐना करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा, उक्त अधिनियम को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संगम को मूँगफली के तेल की अधिम संविदाओं की बाबत, 10 अगस्त, 1969 से लेकर 9 अगस्त, 1970 तक, जिसमें ये दोनों दिन सम्मिलित हैं, एक वर्ष की अतिरिक्त कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एन्द्रारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के अध्यधीन है कि उक्त संगम वायदा बाजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाने वाले निर्देशों का अनुपालन करेगा।

[संख्या-12(8) आई० टी०/69]

गिरिजा प्रसाद पाण्डे, मंत्रकृत मणिव।